हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 157 | देहरादून, बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

इन्वेस्टर्स समिट में दिखी एमडीडीए वीसी बंशीधर तिवारी की काबिलियत, हुए सम्मानित 3

# देवभूमि उत्तराखण्ड को 2025 ड्रग्स फ्री बनाने का लक्ष्य : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को गांधी पार्क, देहरादून में ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन-2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड को 2025 ड्रग्स फ्री बनाने का लक्ष्य रखा गया है, इस अभियान को सबको मिलकर सफल बनाना है। राज्य में ड्रग ट्रैफिकिंग को रोकने और इसके तंत्र को ध्वस्त करने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके सारे परिवार और समूचे सामाजिक परिवेश को हानि पहुंचाता है। राज्य में जहां एक ओर लोगों और विशेषकर युवाओं में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर नशा तस्करी से जुड़े अपराधियों के खिलाफ कड़ी करवाई भी की जा रही है। इस वर्ष अभी तक एनडीपीएस एक्ट के तहत लगभग 600 मामले पंजीकृत हो चुके हैं,

जिनमें करीब साढ़े सात सौ आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। मादक पदार्थों की रोकथाम एवं इस सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही हेतु राज्य में वर्ष 2022 में त्रिस्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे की प्रवृति को रोकने एवं नशाग्रस्त व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोडने तथा पुनर्वास हेतु प्रदेश के समस्त जनपदों में नशा मुक्ति केंद्रों को प्रभावी बनाया जा रहा है। वर्तमान में राज्य में चार इंटीग्रेटेड रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एडिक्ट्स संचालित हैं। राज्य सरकार द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों और विशेषकर युवाओं में नशे के दुष्परिणामों को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। नशे की रोकथाम एवं इसके सम्बन्ध में जानकारी तथा जनता को किसी भी प्रकार की सहायता हेतु हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि सभी के सहयोग और संस्थाओं द्वारा किये जा रहे अथक प्रयासों से, हम समय से पहले ही ड्रग्स फ्री देवभूमि का विकल्प रहित संकल्प अवश्य प्राप्त कर लेंगे।

मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ अभियान चलाने की दिशा में लोगों को जागरूक करने के लिए तीलू रौतेली पुरुस्कार प्राप्त संस्था 'आदर्श औद्योगिक स्वायत्तता सहकारिता' के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा भ्रूण हत्या, दहेज उत्पीडन सहित अन्य मुद्दों के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम, रैलियों के साथ ही गोष्ठियां आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ड्रग्स फ्री उत्तराखण्ड की शपथ भी दिलाई।

आदर्श औद्योगिक स्वायत्तता सहकारिता संस्था की अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक आशा कोठारी ने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया तथा सचिव हरीश कोठारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

इस अवसर पर प्रांत प्रचार प्रमुख आरएसएस संजय, प्रादेशिक मुख्य आयुक्त भारत स्काउट एंड गाइड उत्तराखंड एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीमा जौनसारी, निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा, प्रादेशिक सचिव भारत भारत स्काउट एवं गाइड उत्तराखंड, रविंद्र मोहन काला, संस्था के संरक्षक मेजर रविंद्र सिंह बिष्ट, विष्णु त्यागी, अर्चना बागरी, देवेंद्र बिष्ट, राजेंद्र सिंह ढिल्लों आदि उपस्थित थे।

# उत्तराखंड : 3 जिलों में बारिश से बढ़ेगी ठंड, 4 जिलों में छाएगा कोहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 13 दिसंबर : उत्तराखंड में इन दिनों मौसम शुष्क है, लेकिन ठंड से राहत नहीं मिल रही। बीते दिनों पर्वतीय इलाकों में बारिश-बर्फबारी हुई। अब ज्यादातर जगहों पर धूप खिल रही है, लेकिन तापमान में गिरावट का दौर भी जारी है। जिससे कई शहरों में ठिठुरन बढ़ गई है। कुछ इलाकों में रात को हल्का कोहरा भी छा रहा है। इस बीच मौसम विभाग के कोहरे पर अलर्ट जारी किया है। लोगों से अपील की गई है कि वह अपने वाहन सावधानी से चलाएं।

13 दिसंबर को उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं बादल छाने के साथ ही बारिश होने की संभावना है। उधम सिंह नगर, हरिद्वार, देहरादून, हल्द्वानी जैसे मैदानी जिलों में कोहरा ज्यादा रहेगा। प्रदेश में तापमान सामान्य रहने की उम्मीद है। उधर, बित्ते दिन देहरादून, पंतनगर, मुक्तेश्वर, नई टिहरी समेत कई अन्य शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

इस तरह तापमान में पिछले एक-दो दिन के

भीतर एक से दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। हालांकि दिन में धूप निकलने के चलते अधिकतम तापमान सामान्य बना रहा। हरिद्वार व ऊधमसिंह नगर को छोड़ सभी जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। सुबह-शाम के समय शीतलहर चलने से ठंड महसूस होगी। मैदानी जिलों में कोहरे के चलते मुश्किलें बढ़ेंगी। वाहन चालकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।

# मुख्यमंत्री धामी से अभिनेता अनुपम खेर ने की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने भेंट की। उन्होंने उत्तराखण्ड में फिल्मांकन एवं फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में फिल्म शूटिंग के लिए बेहतर वातावरण बनाने को सरकार निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शूटिंग के लिए देश व दुनिया के सबसे सुंदर व अच्छे गंतव्य हैं। नैनीताल, मसूरी, औली, चकराता, पिथौरागढ़, मुनस्यारी, चोपता, हर्षिल व फूलों की घाटी जैसे मनोहारी स्थान उत्तराखंड में हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश के साथ ही बदरी-केदार धाम और गंगा-यमुना जैसी सदाबहार नदियां हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार फिल्म निर्माताओं व वेब सीरीज बनाने वाले

- मुख्यमंत्री से उत्तराखण्ड में फिल्मांकन एवं फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न विषयों पर की चर्चा
- उत्तराखंड में फिल्म शूटिंग के लिए बेहतर वातावरण बनाने को सरकार निरंतर प्रयासरत : मुख्यमंत्री

निर्माता-निर्देशकों के लिए कई योजनाएं प्रदेश में संचालित कर रही है। उत्तराखंड में फिल्म शूटिंग के लिए बेहतर वातावरण बनाने को सरकार निरंतर प्रयासरत है।

# उत्तराखंड में जल्द शुरू होगी जायरोकॉप्टर सफारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 13 दिसंबर : उत्तराखंड में जल्द ही एक नई एयर सफारी शुरू होने जा रही है। प्रदेश में जल्द ही पर्यटक जायरोकॉप्टर सफारी का आनंद भी ले सकेंगे। अगले हफ्ते से ही इसकी शुरुआत उत्तराखंड में कर दी जाएगी।देश में पहली बार उत्तराखंड में शुरू होगी जायरोकॉप्टर सफारी

प्रदेश में जल्द ही नई एयर सफारी जायरोकॉप्टर सफारी शुरू होने जा रही है। राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर लिमिटेड प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ मनीष सैनी ने बताया कि इसी महीने के अगले सप्ताह में उत्तराखंड में जायरो कॉप्टर सेवा की शुरुआत की जा रही है।सबसे खास बात ये है कि ये भारत के साथ दक्षिण एशिया की पहला जायरोकॉप्टर सफारी होगी। बता दें कि उत्तराखंड शासन और प्रशासन के सहयोग से ऋषिकेश में 2013 और 2014 में राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर लिमिटेड प्राइवेट लिमिटेड ने ही एयर सफारी शुरू की थी।

**एक अनोखा हवाई दौरा है जायरोकॉप्टर सफारी**

आपको बता दें कि जायरोकॉप्टर सफारी एक अनोखा दौरा है। जायरोकॉप्टर किसी भी स्थान को रोमांचक और मजेदार तरीके से देखने का मौका देता है। बता दें कि जाइरोप्लेन का आविष्कार 1923 में जुआन डे ला सिर्वा द्वारा किया गया था। इसे कई और नामों जैसे जायरोकॉप्टर, ऑटो गाइरो या रोटोप्लेन के नाम से भी जाना जाता है।क्या होता है जायरोकॉप्टर ?जायरोकॉप्टर एक छोटे हेलीकॉप्टर की तरह दिखता है लेकिन इसमें रोटर्स को घुमाने वाला कोई इंजन नहीं होता है। रोटर्स बस स्वचालित होते हैं जिस 'ऑटोरोटेट' कहा जाता है। जायरोकॉप्टर उड़ान के सबसे सुरक्षित तरीकों में से एक है। जायरोकॉप्टर किसी भी मौसम में उड़ान भरने में सक्षम हैं।

# न्यू ईयर का वेलकम करने को सजी नैनीताल, औली, मसूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , नए साल का वेलकम करने के लिए टूरिस्ट मसूरी नैनीताल और हिल स्टेशन पहुंचेंगे इस बीच थर्टी फर्स्ट पर होटलों ने दो से तीन रात्रि पैकेज निर्धारित किए हैं। मसूरी के होटल्स हों या नैनीताल के यहाँ एडवांस बुकिंग हो रही है, जबकि नैनी रिट्रीट में 80, स्विस होटल 40 व विक्रम विंटेज 50 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। इसके अलावा अन्य होटलों में भी कमरे बुक होने लगे हैं। इधर क्रिसमस पर भी लगभग 40 प्रतिशत कमरे बुक हो चुके हैं। क्रिसमस पर प्रतिष्ठित होटल नगर ने शोभायात्रा निकालेंगे। साथ ही गीत संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

**नववर्ष पर होंगे ये कार्यक्रम**

नगर के बड़े होटलों में 30 दिसंबर से कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। थर्टी फर्स्ट के लिए अलग-अलग थीम पर होटल सज रहे हैं। दिल्ली, मुंबई समेत स्थानीय गायक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। कपल डांस, चेयर म्यूजिक, डीजे व बोर्न फायर आयोजित किए जाएंगे। कुमाऊंनी व्यंजन के साथ गाला डिनर में स्वादिष्ट भोजन परोसे जाएंगे। कुछ होटलों में कुमाऊँनी लोकगीत व छोलिया नृत्य का आयोजन किया जाएगा।

**सजेगा शहर नैनीताल**

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन पूर्व की भांति बिजली की लड़ियों से नगर को सजाएगा। होटल एसोसिएशन ने बताया कि सैलानियों को आकर्षित करने के लिए नगर की सजावट बेहद जरूरी है। नगर के अनेक होटल अपने गेस्ट के लिए मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उधर नए साल के जश्न को लेकर रेस्टोरेंट में खास तैयारी की जा रही है। पर्यटकों को कुमाऊंनी व्यंजन परोसे जाएंगे।

**पहाड़ों पर नए साल का जश्न मनाने का मौका**

विश्व प्रसिद्ध हिमक्रीड़ा स्थल औली के होम स्टे और होटलों में इन दिनों क्रिसमस व नववर्ष के जश्न को तेजी से बुकिंग हो रही है। अब तक 25 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। इससे उत्साहित होम स्टे और होटल संचालक जोर-शोर से पर्यटकों के स्वागत की तैयारी में जुटे हैं। पर्यटकों को लुभाने के लिए किराये में छूट समेत तमाम ऑफर भी दिए जा रहे हैं। हालांकि, औली आने वाले पर्यटक इस बार रोपवे का रोमांच नहीं उठा पाएंगे, उन्हें सड़क मार्ग से ही औली पहुंचना होगा।

**औली की वादियों में क्रिसमस और नववर्ष का जश्न**

औली तक सड़क मार्ग सुचारू है। शीतकाल में बर्फ से सड़क बंद न हो, इसके लिए बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) ने श्रमिकों के साथ मशीनें तैनात की हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले में समुद्रतल से 9,500 फीट से लेकर 10,500 फीट तक की ऊंचाई पर स्थित औली में वैसे तो वर्षभर पर्यटकों का जमघट रहता है। लेकिन, बर्फबारी के बीच औली की वादियों में क्रिसमस और नववर्ष का जश्न मनाने का आनंद ही कुछ और है। दोनों ही अवसरों पर यहां पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है।

25 प्रतिशत के करीब बुकिंग हो चुकीइस बार अब तक औली में बर्फ नहीं पड़ी है, लेकिन आसपास के पहाड़ बर्फ से ढक गए हैं। स्थानीय पर्यटन व्यवसायियों को उम्मीद है कि क्रिसमस से पहले औली भी बर्फ से लकदक हो जाएगी। होटल व्यवसायी ने बताया कि पर्यटक भी औली में बर्फबारी को लेकर लगातार जानकारी मांग रहे हैं। क्रिसमस और नववर्ष के लिए 25 प्रतिशत के करीब बुकिंग हो चुकी है।

# भारत की पुरुष नदी का रहस्य !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , जैसा कि आप सभी जानते हैं, नदियों से लेकर पेड़-पौधों और गाय जैसे जानवरों तक सभी चीजें हिंदू धर्म में अत्यधिक पूजनीय हैं। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि हिंदू धर्म में प्रकृति को कितना महत्व दिया गया है। इसमें नदियाँ भी शामिल हैं, जिन्हें प्रकृति का एक अनिवार्य हिस्सा माना जाता है। भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है, जैसे हम गंगा से लेकर सरस्वती जैसी नदियों को देवी के रूप में पूजते हैं।

क्या आपने सोचा है कोई नर नदी भी है ?

जी हां, देश में एकमात्र नर नदी है जिसे ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। आज इस लेख के माध्यम से हम आपको भारत की इस नर नदी के बारे में बताएंगे और इसे एकमात्र नर नदी क्यों कहा जाता है। भारत की एकमात्र नर नदी को ब्रह्मपुत्र नदी के नाम से जाना जाता है, जैसा कि आप इसके नाम से ही जान रहे होंगे कि ब्रह्मपुत्र को भगवान ब्रह्मा का पुत्र कहा जाता है। यह नदी हिंदुओं के साथ-साथ बौद्ध और जैन लोगों के लिए भी पूजनीय है। बौद्धों का मानना है कि ब्रह्मपुत्र नदी चांग थांग पठार की एक बड़ी झील से निकलती है, वहीं दूसरी ओर सनातन धर्म के लोग मानते हैं कि ब्रह्मपुत्र नदी ब्रह्मा और ऋषि अमोघा का पुत्र है, इसलिए यह नदी भी बहुत बड़ी है। हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण है.

नदी कहाँ बहती है ?

ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम हिमालय के उत्तर में तिब्बत के पुरंग जिले में मानसरोवर झील के पास होता है। यह नदी न केवल भारत के कुछ स्थानों तक ही सीमित है, बल्कि अरुणाचल प्रदेश राज्य में प्रवेश करने के बाद यह नदी असम की घाटी में बहती है, वहां से यह बांग्लादेश में प्रवेश करती है। ब्रह्मपुत्र नदी भारत की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। भारत में इस नदी की लंबाई लगभग 2700 किमी है।

इसलिए इसका नाम ब्रह्मपुत्र नदी पड़ा

बौद्ध धर्म के अनुसार यह नदी पहले एक बड़ी झील थी, लेकिन दयालु बोधिसत्व को लगा कि इस झील का पानी भी हिमालय की तलहटी तक पहुंचना चाहिए, ताकि लोगों की पानी की जरूरतें भी पूरी हो सकें। इसलिए इस झील से पानी निकालने के लिए एक चैनल बनाया गया, जिससे यह नदी उत्पन्न हुई और इसलिए कुछ लोग इसे ब्रह्मपुत्र नदी कहने लगे।ब्रह्मपुत्र नदी को दिव्य और चमत्कारी माना जाता है, पौराणिक मान्यता है कि पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के बाद भक्तों को ब्रह्मपुत्र नदी में स्नान करना चाहिए। इससे व्यक्ति को विशेष लाभ भी होता है। ऐसा करने से ब्रह्म दोष नहीं लगता और शारीरिक रोग भी दूर हो जाते हैं।

# अब लिपस्टिक से गोली चलाएंगी लड़कियां !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

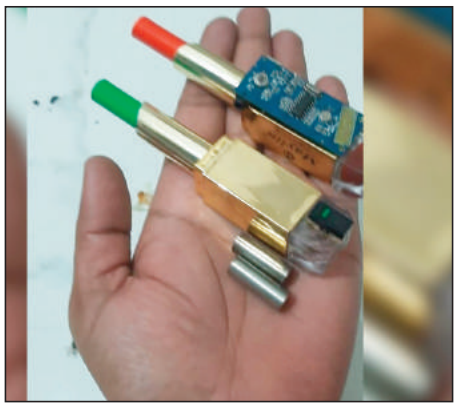

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , यूपी में मनचलों और बदमाशों को अब पकड़ेगी लिपस्टिक गन , जी हाँ सही पढ़ा आपने , महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को रोकने के लिए यूपी के बनारस के युवा वैज्ञानिक श्याम चौरसिया ने महिलाओं के लिए एक खास डिवाइस तैयार की है। ये टूल है 'लिपस्टिक गन'. जिससे मुसीबत में फंसी महिलाएं गोली चला सकती हैं. इसके अलावा इस गन से तुरंत पुलिस को भी बुलाया जा सकता है.आपको बता दें कि ये होनहार युवा श्याम चौरसिया अशोक इंस्टीट्यूट वाराणसी में पार्ट टाइम काम करते हैं। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई उपकरण बनाए हैं। इस लिपस्टिक गन का पूरा नाम 'स्मार्ट एंटी टीजिंग लिपस्टिक गन' है। यह बिल्कुल लिपस्टिक की तरह दिखती है लेकिन बदमाशों को सबक सिखाने में यह बहुत कारगर हो सकती है।

**लिपस्टिक गन में एक ट्रिगर होता है**

लिपस्टिक गन में एक ट्रिगर होता है। यह बंदूक चलने की तेज़ आवाज़ करता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इसकी गोलियों की आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई देती है। मुसीबत में फंसी लड़कियां ऐसी फायरिंग की आवाज से आस-पास के लोगों का ध्यान छेड़ने की ओर आकर्षित कर सकती हैं। गन में एक ब्लूटूथ सेंसर डिवाइस लगा है, यह ट्रिगर के जरिए स्मार्टफोन से कनेक्ट होता है। जैसे ही फायर ट्रिगर दबाया जाता है, यह स्वचालित रूप से लाइव लोकेशन के साथ पुलिस कंट्रोल नंबर 112 पर कॉल करता है और परिवार के सदस्यों को कॉल करता है। लाइव लोकेशन की मदद से पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंच सकती है.

# मृतक को आसमान के हवाले कर देते है पारसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 दिसंबर : भारत एक ऐसा देश है जहां हर धर्म के लोग है और उन हर धर्म-संप्रदाय में जन्म से लेकर अंतिम संस्कार तक के अलग-अलग तरीके और रस्मो-रिवाज हैं। जैसे कि हिंदू और सिख धर्म के लोग दाह संस्कार की क्रिया करते हैं। वहीं इस्लाम धर्म में मृतक के शरीर को कब्र में मिट्टी के नीचे दफना देते हैं। ईसाई धर्म में भी कुछ इसी तरह शव को दफनाया जाता है। लेकिन पारसी समुदाय में न ही हिंदू धर्म की तरह शव को जलाया जाता है और न ही इस्लाम धर्म की तरह दफनाया जाता है। बल्कि वे मृतक को आसमान के हवाले कर देते है जहाँ उस शव का सेवन गिद्ध करते हैं। तो चलिए आज आपको बताते है की पारसी धर्म में अंतिम संस्कार कैसा होता है।

भारत में पारसी समृद्ध समुदायों में से एक है, पारसी धर्म में पृथ्वी, जल, अग्नि तत्व को बहुत ही पवित्र माना गया है. ऐसे में शव को जलाने, पानी में बहाने या दफन करने से ये तीनों तत्व अशुद्ध हो जाते हैं. इसलिए पारसी लोग अलग तरीके से शव का अंतिम संस्कार करते हैं। पारसी समुदाय में मौत के बाद व्यक्ति के शव को टावर ऑफ साइलेस पर रखा जाता है। पारसियों के श्मशान या कब्रिस्तान को दखमा यानि 'टॉवर ऑफ साइलेंस' कहा जाता है. यह एक गोलाकार और खोखली आकृति के इमारत की तरह होता है, जोकि काफी ऊंचाई पर बना होता है. पारसी लोग मृतक के शव को इसी इमारत में रख देते हैं. इसके बाद न ही वे शव को दफनाते हैं और ना ही जलाते हैं. बल्कि यहां शव को चील, गिद्ध, और अन्य पक्षी आहार की तरह इसे खाते हैं।

पारसी धर्म में करीब बीते तीन हजार सालों से अंतिम संस्कार की यही परंपरा निभाई जा रही है। लेकिन बीते कुछ सालो में ऐसा कम होते हुए दिखाई दे रहा है। दरअसल, पिछले कुछ सालों में जब कोरोना महामारी चरम पर थी उस समय पर्सिओ के अंतिम संस्कार के इस तरीके को लेकर आपत्ति उठाई गई थी। जिसके बाद उन्हें शव को जालना पड़ा और दूसरा कारण गिद्धों की घटती संख्या भी है। जिससे पारसी समुदाय के लोगों को अंतिम संस्कार करने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। गिद्धों की घटती संख्या और पर्यावरण परिवर्तन के कारन शव जल्दी decompose नहीं हो परहे जिस कारण पारसी धर्म के लोग शव का दाह संस्कार कर रहे है। लेकिन आपको बता दें कि पारसी समुदाय के कुछ लोग ही ऐसा कर रहे हैं। बाकी लोग आज भी अपने धर्म की इस परंपरा को निभा रहे हैं।

# इन्वेस्टर्स समिट में दिखी एमडीडीए वीसी बंशीधर तिवारी की काबिलियत, हुए सम्मानित

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 13 दिसम्बर , ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफलतापूर्वक समापन एवं इसमें मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण एवं हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा किये गए शानदार सौन्दर्यकरण कार्यों व निवेश में प्राधिकरणों की भी भागीदारी सुनिश्चित होने पर आज राज्य के शहरी विकास एवं आवास-विकास मंत्री ने विधानसभा स्थित कक्ष में दोनों प्राधिकरण के अधिकारियों, अभियंताओं एवं कार्मिकों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य की राजधानी देहरादून में दो दिनों तक हुई इस समिट की सफलता में दोनों प्राधिकरण का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि दोनों प्राधिकरण के अधिकारियों व कर्मचारियों ने मिकलर देहरादून शहर के सौंदर्यीकरण को चार चांद लगाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि यही नहीं प्राधिकरणों के माध्यम से हजारों करोड़ का निवेश भी सुनिश्चित हुआ जो कि निश्चित की काबिलेतारीफ है।इस अवसर पर मंत्री ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी, सचिव , मोहन सिंह बर्निया एवं हरिद्वार विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह एवं सचिव उत्तम सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दोनों प्राधिकरणों के अभियंताओं को भी उन्होंने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

# देहरादून : लागू होगा न्यू ट्रांसपोर्ट सिस्टम, बस-विक्रम-ई रिक्शा के लिए रूट और स्टैंड तैयार

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 13 दिसंबर : देहरादून शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए परिवहन विभाग ने खास प्लान बनाया है। इसके तहत बेतरतीब पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को सुधारा जाएगा। संभागीय परिवहन विभाग ने अर्बन मोबिलिटी प्लान के लिए देहरादून सिटी न्यू ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाया है, आरटीए की मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। पहले इस प्रस्ताव को आरटीए की बैठक में रखा जाएगा। बैठक इसी महीने करवाने की तैयारी है। इसका एजेंडा तैयार करवाया जा रहा है।

यहां आपको नए सिस्टम की खास बातें भी बताते हैं। नए ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सिटी बस और मैजिक के रूट तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही स्टॉपेज भी तय किए गए हैं। इसके बाद नंबर आता है ई-रिक्शा का इसके लिए भी 24 स्टैंड तैयार किए गए हैं। ऑटो संचालन के लिए भी कॉरिडोर बनाए गए हैं। इसमें नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर में 13 स्टैंड, ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर में सात और साउथ सेमी सर्कल कॉरिडोर में चार स्टैंड बनाए गए हैं।

प्रत्येक स्टैंड से संचालित होने वाले ऑटो की संख्या भी की तय की गई है। सभी स्टॉपेज की जियो टैगिंग की गई है, ताकि वाहनों को ट्रैक किया जा सके और यात्रियों को ऐप आधारित सुविधा दी जा सके।

संभागीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव सुनील शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार कर इसे बेहतर और आधुनिक बनाना है। शहर के बाहरी इलाकों में भी लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिले, में इस पर भी विशेष फोकस है। आरटीए की बैठक का एजेंडा तैयार किया जा रहा है, बैठक इसी महीने होने की तैयारी है।

## मुख्यमंत्री धामी ने की वीसी माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा की समीक्षा

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा की समीक्षा की। जिसमें संकल्प यात्रा के आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में सभी जिलों के जिलाधिकारियों से सुझाव भी लिए गए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए प्रत्येक जिला स्तर पर प्रतिदिन के कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। उन्होंने ब्लॉक लेबल के अधिकारियों को शिविरों में अनिवार्यरूप से प्रतिभाग करते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं की जानकारी और लाभ देने के निर्देश दिए। कहा कि विकसित भारत बनाने में युवाओं का अहम योगदान है इसलिए स्कूल कालेज के बच्चों भी शिविर के माध्यम से कार्यक्रमों की जानकारी दी जाए। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने जनपद में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत संचालित कार्यों से अवगत कराया। बताया कि संकल्प यात्रा के दौरान स्वास्थ्य, समाज कल्याण, सीएससी एवं आधार शिविरों लगाकर लोगों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, पीडी आनन्द सिंह, डीपीआरओ राजेन्द्र गुंजियाल सहित सबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान को मिशन मोड में लें अधिकारी : मुख्यमंत्री धामी

देहरादून( आरएनएस )। विकसित भारत संकल्प यात्रा का राज्य में सफल संचालन के लिए मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने के लिए इस अभियान को मिशन मोड में लें। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए और उनसे प्रतिदिन की रिपोर्ट भी ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप विकसित भारत संकल्प यात्रा उन लोगों तक पहुंचने का बड़ा माध्यम बन गई है जो अब तक सरकारी योजनाओं से नहीं जुड़ पाये थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन कल्याण से जुड़ी योजनाओं की आम जनता तक पहुंच बनाने के लिए हमें स्कूली बच्चों से लेकर बजुर्गों तक सभी को सहयोगी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय है कि लोगों को उनके घरों पर ही सभी आवश्यक सुविधाएं मिले। जन सुविधाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन सिस्टम को प्रभावी बनाया गया है। आम जनता को जन कल्याणकारी योजनाओं की पूरी जानकारी होने पर वे सभी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ग्राम पंचायतों में प्रचार वाहन भेजने से पूर्व इसकी सूचना स्थानीय लोगों तक पहुंचे। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी मौके पर लोगों को लाभ मिले, इसके लिए शिविरों का आयोजन भी किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि सांसदगणों, विधायकगणों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाए ताकि उनका भी मार्गदर्शन एवं सहयोग इसमें मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 जनवरी 2024 तक आयोजित हो रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी सचिव भी दो-दो दिन जनपदों में जाएं। सभी सचिव इस आयोजन के संबंध में अपने विभागों की नियमित समीक्षा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारी विकास संकल्प यात्रा के दौरान निरन्तर फील्ड में रहें और सरकार की योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सीमान्त क्षेत्रों में भी इस आयोजन को और प्रभावी बनाया जाए।

# सर्दियों में बढ़ जाता है खून गाढ़ा होने का खतरा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , ठंड के मौसम में शरीर का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है. खासतौर पर हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट जैसी बीमारियों के मरीजों को, अपने खानपान को लेकर रूटीन का ध्यान रखना चाहिए. नहीं तो सेहत बिगड़ने का खतरा बना रहता है. ठंड में अक्सर शरीर में खून गाढ़ा होने लगता है. जिसकी वजह से थक्के जमने का डर पैदा हो जाता है.

क्यों जम जाता है खून का थक्का

डॉक्टर्स के मुताबिक तापमान कम होने और ठंड के कारण खून की नसें सिकुड़ने लगती है. इसकी वजह से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या काफी बढ़ जाती है. वहीं कई बार खून के गाढ़े होने से थक्के जमने लगते हैं. ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए ये स्थिति बेहद खतरनाक हो जाती है.

खून गाढ़े होने के लक्षण

शरीर में जब खून के थक्के बनने लगते हैं. तब जाकर इसका असर शरीर पर दिखता है और इसके लक्षण दिखाई देने शुरू हो जाते हैं. खून का थक्का ना जमें इसलिए नुकसानदायक फूड से दूर रहें.

अनार

अनार पूरे हेल्थ को सही रखने में मददगार साबित होता है. इसमे नाइट्रेट्स, पॉलीफेनोल एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. जो की ब्लड वेसल्स को चौड़ा करने और उनमे ब्लड फ्लो को आसान करने में मदद करता हैं.

लहसुन

बात दें कि लहसुन नेचुरल ब्लड थिनर है. इसलिए सर्दियों में खून का थक्का जमने से बचने के लिए हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसे जरूर खाना चाहिए. ये नसों के स्ट्रेस को कम करता है और इन्हें रिलैक्स कर देता है. इसकी वजह से नसें सिकुड़ती नहीं है और हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क कम हो जाता है.

अदरक

अदरक का इस्तेमाल अक्सर डाइजेशन में मदद करने के लिए किया जाता है. मगर साथ ही ये शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में भी मदद करता है. ये रोजाना की डाइट में अदरक शामिल करने से सर्दियों में खून जमने का डर कम हो जाता है.

दालचीनी

आपको बता दें कि दालचीनी हार्ट के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है. ये ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करती है और उन्हें चौड़ा बनाए रखने में मदद करती है. रिसर्च में भी ये बात सामने आई है कि दालचीनी कोरोनरी आर्टरी में ब्लड फ्लो को बढ़ाती है. इससे हार्ट हेल्थ सही होती है. साथ ही रिसर्च से पता चला है कि हाइपरटेंशन की वजह से बढ़ने वाले ब्लड प्रेशर के लिए दालचीनी सप्लीमेंट जरूरी होता है.

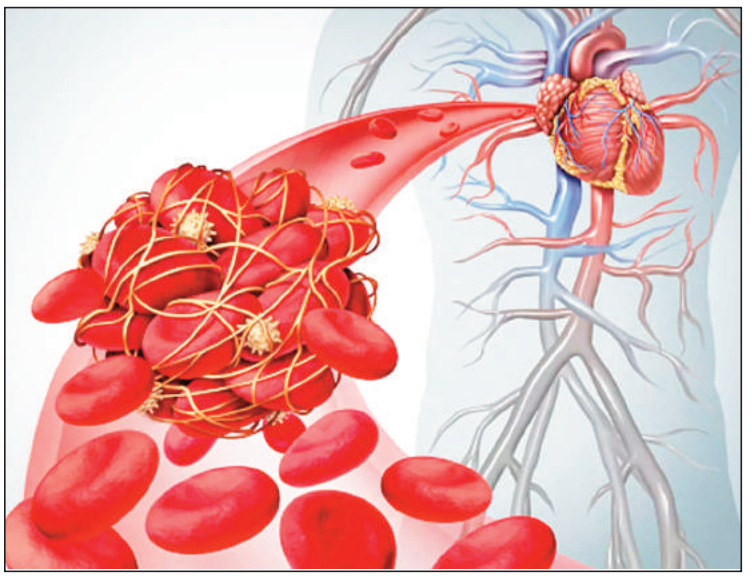

# गर्लफ्रेंड से इतनी मोहब्बत ! बन गए मिसाल

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , लोग अपने पसंदीदा इंसान की हर एक ख्वाहिशों को पूरा करने की कोशिश करते हैं. उदाहरण के तौर पर अगर कोई पुरुष किसी महिला से प्यार करता है, तो वह रिश्ते को निभाने के लिए कुछ भी करता है. एक ऐसी ही प्यार की कहानी हम आज आपको सुनाने जा रहे हैं, जिसने शख्स की जिंदगी ही बदल दी और उसे जमीन से सीधे फलक तक पहुंचा दिया. हम जिसकी बात करे रहे हैं वो विकास गुटगुटिया (Vikas Gutgutia) है, जिन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड के लिए फूलों का बिजनेस ही शुरू कर दिया था.

**दिल्ली के मार्केट में नहीं मिले फूल**

विकास गुटगुटिया के फूलों का बिजनेस (Flower Brand) ही शुरू करने के पीछे की दिलचस्प कहानी है. उन्होंने बताया था कि साल 1994 में वह अपनी गर्लफ्रेंड को फूल देना चाहते थे. लेकिन उन्हें दिल्ली की मार्केट में फूल नहीं मिले था. यहीं से उन्होंने फूलों का बिजनेस शुरू करने का आइडिया आया. उन्होंने सिर्फ 5,000 रुपये (Vikas Gutgutia Success Story) के साथ इसकी शुरुआत की जो इतना फला-फूला कि आज उनकी कंपनी का टर्नओवर करोड़ों का है. उन्होंने दिन रात मेहनत कर इस कारोबार को खड़ा किया है और अब वह अपनी कंपनी को 500 करोड़ रुपये के टार्गेट तक पहुंचाना चाहते हैं.

**कैसे बने फूलों के ब्रांड ?**

विकास ने बताया कि उनके लिए ये सब करना आसान नहीं था. फुटपाथ पर बिकने वाले सस्ते फूलों का मुकाबला करने में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा. उन्होंने एयरकंडीशंड दुकान में सामान्य फूल ही नहीं बल्कि गुच्छों और पुष्पहारों को डिजाइनर लुक दिया. उन्होंने बाद में एक वेबसाइट भी शुरू की जहां से उन्हें कई ऑर्डर मिलने लगे. लेकिन साल 2009 में उन्हें 25 करोड़ का नुकसान भी हुआ था, जिससे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला और आज उनका कारोबार 200 करोड़ का हो गया है और दुनिया के कई देशों में उनकी कंपनी की ब्रांच है.

# 1 जनवरी से बदलने जा रहा KYC से जुड़ा ये नियम

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , साल 2023 अपने आखिरी पड़ाव पर चल रहा है और नए साल के साथ ही नए बदलवा और नियम लागू (Rules Change From January) हो रहे हैं. इनमें से एक नियम सिम कार्ड से जुड़ा भी लागू (SIM Card Rules) होने जा रहा है. अगर आप नई सिम खरीदने वाले हैं तो आपको इन नियमों के बारे में जानकारी ले लेनी चाहिए. क्योंकि अगर आपको नहीं पता होगा, तो बाद में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. साथ में ये भी जानते हैं कि आखिर ये फैसला क्यों लिया गया...

सिम कार्ड खरीदने का नया नियम

1 जनवरी से ना सिर्फ साल बदलने जा रहा है, बल्कि सिम कार्ड खरीदने का नियम भी बदलने वाला है. जिसके तहत सिम खरीदने के लिए सिर्फ डिजिटल KYC होगी. टेलीकॉम डिपार्टमेंट (DoT) ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा है कि- 'नए साल से नई सिम खरीदने के लिए कस्टमर को सिर्फ e-KYC कराना होगा.' बता दें कि सरकार ने नए नियमों का ऐलावन इस साल अगस्त में ही कर दिया था लेकिन इसे लागू करने में देरी होती रही और अब अगले साल इसे लागू कर दिया जाएगा.

क्या है इसका मकसद?

दरअसल, अभी तक सिम खरीदने के लिए डॉक्यूमेंट का फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाता था. जिसकी वजह से टेलीकॉम कंपनियों को काफी खर्टा उठाना पड़ता है. e-KYC लागू होने के बाद खर्चे में कमी आएगी साथ ही टाइम भी बचेगा. इसके अलावा सिम फ्रॉड को रोकना में भी मदद मिलेगी. इस नए नियमों के तहत सिम कार्ड वेंडर्स की वेरिफिकेशन भी जरूरी कर दी गई है. डीलर्स (SIM Dealers) को अपना पूरा बायोमेट्रिक और पुलिस वेरिफिकेशन कराना होगा.

# देवभूमि में आदमखोर !

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नैनीताल , 13 दिसंबर , जंगल , देखने में जितने दिलकश होते हैं वहां रहने वालों के लिए उतने ही खतरनाक भी साबित होते हैं। अक्सर जंगली सूअर , बंदर और तेंदुओं का हमला ग्रामीणों के लिए जान लेवा साबित होता है। ऐसा ही आतंक नैनीताल के भीमताल ब्लाक में एक बाघ ने मचा रखा है जहाँ तीन दिन में 2 महिलाओं को अपना शिकार बना लिया. इससे ग्रामीणों में बेहद गुस्सा है. उनकी मांग पर बाघ को आदमखोर घोषित कर दिया गया है. भीमताल ब्लॉक से सटे क्षेत्र मे सक्रिय बाघ को मारने के लिए परमिशन मिल गयी है.

डीएम वंदना ने स्कूलों को बंद रखने के दिए निर्देश

शिकारी दल मे विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु पांगती और हरीश धामी को टीम के साथ तैनात किया गया है. साथ ही जिला प्रशासन ने छोटा कैलाश में श्रद्धालुओं की आवाजाही पर रोक लगा दी है. श्रद्धालुओं से कुछ दिनों तक छोटा कैलाश नहीं जाने की अपील भी की गई है. वन विभाग ने घटनास्थल पर 10 कैमरे और आसपास चार पिंजरे लगाये हैं.

बाघ को मारने के लिए शिकारी दल तैनात टीम का पिजरों सहित गांवों मे गश्त शुरू

आपको बता दें कि बीते दिन क्षेत्रीय लोगों ने विधायक राम सिंह कैडा के नेतृत्व मे डीएफओ कार्यालय का घेराव किया था और बाघ को मारने के आदेश देने की मांग के साथ नाराजगी जतायी थी. क्षेत्रीय विधायक ने मौके से ही वन मंत्री सुबोध उनियाल से बात की थी. गुलदार के हमले की शिकार पुष्पा का अंतिम संस्कार भी न करने की चेतावनी दी थी. हालांकि बाद मे अधिकारियों ने किसी तरह से मामला शांत किया. वहीं जिलाधिकारी ने वन विभाग को बाघ को आदमखोर घोषित करने के लिए निर्देशित किया था. तीन दिनों में गुलदार ने 2 लोगों पर हमला किया है. इसमें मलुवाताल की इंद्रा बेलवाल और पिनरो की पुष्पा देवी की मौत हो गई थी.

## मानवाधिकार व सामाजिक न्याय संगठन ने किया जागरुक

देहरादून। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन ने मंगलवार को गोविंदगढ़ स्थित आजाद कॉलोनी महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चलाया। महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन भी बांटे गए। इस दौरान कैंट विधायक सविता कपूर भी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को बेहद आसान शब्दों में परिभाषित किया जा सकता है। इससे महिलाएं शक्तिशाली बनती है। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने कहा कि समाज की आधी आबादी स्त्रियों की है इस बाबत उनके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।इस अवसर पर प्रदेश कानूनी सलाहकार राजकुमार तिवारी, महानगर सचिव रेखा निगम, विशंभर नाथ बजाज, अंजली राणा कृष्णा आदि लोग मौजूद रहे। संगठन ने राजपुर रोड स्थित दून विहार संजय ऑर्थोपेडिक्स सेंटर में पद्मश्री डॉक्टर बीकेएस संजय का नाम एक बार फिर से गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने पर उनको सम्मानित किया गया।

# लव बॉम्बिंग का खतरा, इस प्यार से बचना है तो तुरंत पढ़ें

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , प्यार" जो कभी भी किसी से भी हो सकता है लेकिन सामने वाला उसे किस तरह से अपनाता है ये वक्त के साथ ही पता चलता है। आज के युवाओं के बीच प्यार का मतलब बदल चुका है। इसे अलग-अलग नाम के साथ पुकारा जाता है। ब्रेकअप और पैचअप के साथ-साथ लव की परिभाषाएं भी अलग-अलग कर दी गई हैं। सोशल मीडिया पर हुकअप (Hook Up), सिचुएशनशिप (Situationship), फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स (Friends with Benefits) जैसे तमाम शब्दों ने प्यार (Types of Love) के नाम पर अपनी जगह बना रखी है, जिसमें अब लव बॉम्बिंग भी शामिल हो चुका है।

**आखिर क्या है ये लव बॉम्बिंग?**

अगर आपने भी पहली बार लव बॉम्बिंग के बारे में सुना है और जानना चाहते हैं कि आखिर लव बॉम्बिंग बला क्या है तो आइए आपको लव बॉम्बिंग का मतलब बताते हैं। आखिर ये लव बॉम्बिंग है क्या और कैसे पता लगेगा कि कोई हमें लव बॉम्ब कर रहा है? तो इसके लिए आपको कुछ करना नहीं है बल्कि कुछ बातों का ध्यान देना है। जब कोई इंसान किसी को बहुत ज्यादा प्यार दिखाकर, मैनिपुलेट करके, अपनी बातों में फंसाकर या कुछ करवाने के लिए इनफ्लुएंस करता है तो उसे लव बॉम्बिंग कहा जाता है।

क्या हैं लव बॉम्बिंग के संकेत?

दोनों के बीच में अगर कम समय में बहुत ही जल्दी, बहुत कुछ हो जाता है तो ये लव बॉम्बिंग का संकेत होता है। इसके अन्य संकेतों में ये भी शामिल है कि सामने वाला इंसान आपको बहुत ज्यादा प्यार दिखाएगा, अपनी बातों में आपको दो मिनटों में मना लेगा, हर चीज में वो आपको सिर्फ और सिर्फ अच्छा कॉम्प्लीमेंट देगा। आपको ऐसा लगने लगेगा कि जैसे उस इंसान से अच्छा इस दुनिया में कोई नहीं है और वो आपकी जिंदगी में पहले क्यों नहीं आया या आई। ऐसे में उस इंसान के साथ रिलेशनशिप या फ्रेंडशिप बहुत ज्यादा अच्छी लगती है।

**लव बॉम्बिंग में कब आती है समस्या?**

लव बॉम्बिंग में समस्या तब आती है जब ये प्यार मैनिपुलेशन (Manipulation) के साथ किया गया हो। शुरू में अपने सेल्फीनेश को वो बहुत ऊपर तक लेकर जाते हैं और बाद में फिर वो आपकी जिंदगी को कंट्रोल करने लगते हैं। ऐसे में जब उनके मुताबिक चीजें नहीं होती है तो वो बदतमीजी और नीचे पन पर आ जाते हैं। वीडियो के जरिए लव बॉम्बिंग के बारे में समझिए।

**कैसे करें लव बॉम्बिंग से बचाव?**

एक्सपर्ट्स के अनुसार अगर आप भी लव बॉम्बिंग के शिकार नहीं होना चाहते हैं तो समय रहते इसकी पहचान करें और अपने आपको बचकर रखें। वरना आप डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याओं से घिर जाएंगे और चाहकर भी खुद को इस जाल से नहीं निकाल सकेंगे। लव बॉम्बिंग के संकेत दिखते ही अपने आप को सेफ कर लें और कोई भी स्टेप लेने से पहले एक बार अच्छे से सोच-समझ लें।

# खटीमा की बेटी गीतिका चुफाल ने किया उत्तराखंड का नाम रोशन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

खटीमा 13 दिसंबर : उत्तराखंड के बेटे ही नहीं बेटियां भी देश सेवा में अपना अहम योगदान दे रही हैं। आज हम आपको पहाड़ की एक ऐसी ही होनहार बिटिया से मिलाने जा रहे हैं, जिन्होंने वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। हम बात कर रहे हैं ऊधमसिंह नगर जिले के खटीमा में रहने वाली गीतिका चुफाल की। जिनका चयन भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग अफसर के रूप में हुआ है। गीतिका चुफाल मूल रूप से राज्य के पिथौरागढ़ जिले के डीडीहाट तहसील क्षेत्र के सीणी गांव की रहने वाली हैं।

एक सैन्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली गीतिका का परिवार वर्तमान में ऊधमसिंह नगर के वार्ड नंबर-18, टीचर्स कॉलोनी में रहता है। उनके पिता बलबीर सिंह चुफाल एक पूर्व सैनिक हैं, जबकि उनकी मां पुष्पा चुफाल एक कुशल गृहिणी हैं। गीतिका ने अपनी इंटरमीडिएट तक की शिक्षा सर्राफ पब्लिक स्कूल से हासिल की। इसके बाद 2015-19 में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल पुणे से बीटेक किया। बीटेक करने के बाद गीतिका ने एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) बेंगलुरु से एयरोनोटिकल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक (एसीईई) शाखा से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दिसंबर 2022 में उन्होंने एएफटीसी बेंगलुरु में एसीईई शाखा में अपना प्रशिक्षण शुरू किया और बीते दिनों वायु सेना में फ्लाइंग अफसर बन गईं। बेटी की इस सफलता से माता-पिता खुशी से फूले नहीं समा रहे। घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा है। उनकी सफलता पहाड़ की दूसरी बेटियों को भी सेना ज्वाइन करने के लिए प्रेरित करेगी।

# एसपी चमोली रेखा यादव ने दिए साइबर प्रशिक्षण में टिप्स

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

चमोली , 13 दिसंबर , पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव ने जनपद में नवनियुक्त महिला होमगार्डस जवानों को अनुशासन में रहकर अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं निष्ठा से पालन करने की प्रेरणा दी और उत्तराखण्ड पुलिस के साथ मिलकर मित्रता सेवा सुरक्षा के महत्व को समझाकर अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया गया। वर्तमान समय में समाज डिजीटलाईजेशन की ओर अग्रसरित है जिससे मानव जीवन के उत्थान में मदद मिली है। डिजीटलाईजेशन का दूसरा पहलू साईबर क्राइम है जिससे समाज को हानि भी हो रही है। कानून व्यवस्था स्थापित करने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसके प्रति सजग हो जायें, इसके महत्व को समझें।पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन नताशा सिंह ने महिला जवानों को वर्तमान समय में सोशल मीडिया के महत्व में जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी के जीवन में सोशल मीडिया का प्रभाव बहुत तेजी से बढा है। साइबर अपराधों के होने से पहले बरती जाने वाली सावधानियों तथा साइबर अपराध घटित हो जाने के बाद अपनाए जाने वाले तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

# नमक का पोछा लगाते भूलकर भी ना करें गलती

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 11 दिसंबर , वास्तु शास्त्र में घर की नेगेटिविटी को दूर करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को आजमाने के बाद घर में नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है। इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है। यह सकारात्मक ऊर्जा घर की तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वहीं घर में यदि नेगेटिविटी ही तो परिवार की बर्बादी होने लगती है। घर में पॉजिटिव एनर्जी को बनाए रखने के लिए नमक का पोछा लगाना सबसे उत्तम माना जाता है।

घर की साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए लगभग सभी रोज झाड़ू पोछा करते हैं। इससे घर में स्वच्छता बनी रहती है। लेकिन घर की नेजेटिविटी दूर नहीं हो पाती है। ऐसे में यदि हम पोछे के पानी में एक चुटकी नमक मिला दे तो ये बड़ा लाभकारी होता है। नमक न सिर्फ घर के कीटाणुओं का नाश करता है बल्कि घर की बुरी और नेगेटिव एनर्जी को भी भगाता है। हालांकि नमक का पोछा लगाते समय आपको कुछ खास सावधानियां बरतनी पड़ती है। वरना इसका लाभ नहीं मिलता है।

1. नमक का पोछा हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर लगाना चाहिए। यदि आप अधिक बीजी रहते हैं और रोज नमक का पोछा नहीं लगा पाते हैं तो सप्ताह में दो बार तो इसे जरूर लगाएं। इससे आपके घर नेगेटिव एनर्जी नहीं पनप पाएगी। घर में सकारात्मकता बनी रहेगी।

2. कुछ खास दिनों में आपको नमक का पोछा लगाने से बचना चाहिए। सबसे पहले आप गुरुवार के दिन पोछा बिलकुल ना लगाएं। वहीं मंगलवार और रविवार के दिन पोछा तो लगा सकते हैं, लेकिन इसमें नमक डालने की गलती ना करें। इन तीन दिनों आपको नमक वाला पोछा लगाने से परहेज करना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना जाता है।

3. पोछे के पानी में नमक चोरी छिपे डालना चाहिए। मतलब जब आप पानी में डालते हैं तो बाहरी व्यक्ति की नजर इस पर नहीं पड़नी चाहिए। यदि पोछा के पानी में नमक मिलाते समय अचानक आपके घर कोई आ जाए तो आप उसमें नमक ना डालें। इससे आपके घर को बुरी नजर लग सकती है। फिर आपको इस उपाय का लाभ नहीं मिल पाएगा। उल्टा नुकसान हो जाएगा।

4. नमक का पोछा लगाने के बाद जो पानी बचता है उसे भूलकर भी घर में ना फेंके। इसे घर से बाहर फेंकना चाहिए। इस गंदे पानी में बहुत से कीटाणु रहते हैं। ये आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। वहीं यह गंदा पानी घर में फेंकने से घर की नेगेटिव एनर्जी बाहर नहीं जाती है। घर में ही बनी होती है।

# कौन है बसपा सुप्रीमों मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद ?

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 13 दिसंबर , यूपी की पूर्व सीएम और बसपा मुखिया मायावती ने हाल ही में बसपा ने चार राज्यों की जिम्मेदारी आकाश आनंद को सौंपी थी। पिछले 6 सालों में आकाश की सक्रियता पार्टी में बढ़ी है। आकाश आनंद मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। एक ऐसा वक्त था जब मायावती का नाम देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में सुमार था। मायावती के नेटवर्थ की चर्चा भी अक्सर होती रहती है। विकिपीडिया के अनुसार 2012 (राज्यसभा) के चुनावी हलफनामे के अनुसार, मायावती के पास ₹111.64 करोड़ की संपत्ति और ₹87.68 लाख (0.87 करोड़) की देनदारियां हैं।

कुमारी मायावती जिन्होंने उत्तर प्रदेश की 18वीं मुख्यमंत्री के तौर पर 1995 से 1995, 1997 से 1997, 2002 से 2003 और 2007 से 2012 तक कार्य किया। वो तीन बार राज्यसभा सांसद और चार बार लोकसभा सांसद चुनी गई हैं। कांशीराम की वजह से रखा था राजनीति में कदम मायावती ने अपने राजनीतिक पारी की शुरुआत तब की जब बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम ने उन्हें सिविल सेवा में शामिल होने की बजाय राजनीति में आने के लिए मनाया। मायावती ने ताउम्र अविवाहित रहना चुना। उन्हें आयरन लेडी के नाम से भी जाना जाता है। मायावती एक दौर में भारत के उन मुख्यमंत्रियों में शामिल थी जिनके पास सबसे अधिक संपत्ति है।

15 दिसंबर 2001 को, लखनऊ में एक रैली के दौरान एक संबोधन में, कांशीराम ने मायावती को अपना उत्तराधिकारी बनाया। 18 सितंबर 2003 को वह अपने पहले कार्यकाल के लिए बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। 27 अगस्त 2006 को लगातार दूसरी बार, 30 अगस्त 2014 को तीसरी बार और 28 अगस्त 2019 को चौथी बार निर्विरोध बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। आकाश आनंद की सांगठनिक क्षमता को लेकर छिड़ सकती है बहस मायावती के भतीजे को उत्तराधिकारी घोषित करते ही सियासी गलियारों में भी आकाश आनंद की सांगठनिक क्षमता को लेकर नई बहस छिड़ने की पूरी संभावना है।

मायावती ने बसपा ने अनुभवी नेताओं को दरकिनार कर युवा चेहरे पर दांव क्यों लगाया? ये एक बड़ा सवाल है। इसे लेकर अभी तक कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

आकाश आनंद मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। उनकी स्कूलिंग गुड़गांव में और उच्च शिक्षा लंदन में प्राप्त की है। आकाश आनंद ने लंदन से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) का कोर्स किया है। राजनीति में उनकी एंट्री साल 2017 में हुई। वो सहारनपुर रैली में पहली बार मायावती के साथ मंच पर दिखे थे। आकाश फिलहाल पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर भी हैं।

# क्या सच में किसी के याद करने पर आती है हिचकियां, या कोई और है वजह

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 13 दिसंबर : अक्सर जब भी हमें हिचकी आती है, तो हम यही सोचते हैं कि कोई खास हमें याद कर रहा है। दिल को खुश करने के लिए ये ख्याल अच्छा है लेकिन इसकी वैज्ञानिक वजह कुछ और ही होती है। असल में हिचकी तब आती है जब हमारी सांसों और पाचन क्रिया में किसी तरह की गड़बड़ी हो जाए। हिचकी आने पर इसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए। आमतौर पर हिचकी कुछ ही देर में अपने आप ठीक हो जाती है। लेकिन, अगर यह लंबे समय तक रुके नहीं, तो इसका इलाज जरूरी हो जाता है।

डायाफ्राम एक मांसपेशी है, जो सांस लेने के अंगों को पाचन क्रिया के अंगों से अलग करती है। जब आप सांस लेते हैं, तो आपका डायाफ्राम सिकुड़ता है और फेफड़ों को हवा भरने के लिए जगह मिलती है। जिसके कारण आप सांस ले पाते हैं। सांस छोड़ते समय यह आराम की स्थिति में आ जाता है। जब किसी परेशानी के कारण इस डायाफ्राम में अनैच्छिक सिकुड़न या ऐंठन हो जाए तो, आवाज निकालने वाली नली जिसे वोकल कॉर्ड भी कहते हैं, वह कुछ समय के लिए बंद हो जाती है, जिससे 'हिक' या 'हिच' की आवाज आती है। इसी समस्या को ही आम भाषा में हिचकी या अंग्रेजी में हिकप्स और विज्ञान में सिगुलेटस कहते हैं।

जल्दी-जल्दी हड़बड़ी में खाना , अधिक तीखा या गर्म खाना खा लेना,पेट में गैस होना,बहुत अधिक नर्वस होना, अधिक उत्तेजित होना, कार्बोनेटेड ड्रिंक या सोडा पीना , शराब का सेवन, कोई भी ऐसी क्रिया करना जिसमें आप गलती से हवा निगल जाएं जैसे च्यूइंगम खाना, नर्वस सिस्टम में नसों में हुई किसी परेशानी से लंबे समय तक हिचकी आ सकती है ,किसी दवा का साइड इफेक्ट , ठंडा पानी पिएं जिससे उत्तेजित डायाफ्राम शांत होता है। कुछ सेकंड के लिए सांस रोक कर दोबारा छोड़ें। ध्यान भटकाने की कोशिश करें, या किसी डरावनी बात का जिक्र करें जिससे दिमाग दूसरी तरफ भटक जाए। ऐसा करने से दिमाग हिचकी से ध्यान हटा कर पाचन क्रिया पर ध्यान केंद्रित करने के संकेत देता है, जिससे हिचकी रुक जाती है। यही वजह है कि अक्सर कहा जाता है कि हिचकी आने पर कोई याद कर रहा है, जिससे इंसान का दिमाग यह सोचने पर जोर डालने लगे कि कौन याद कर सकता है और उसका ध्यान बंट जाए और हिचकी रुक जाए।

## योजनाओं के तहत आवंटित बजट को शत प्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करें : सीडीओ अभिनव शाह

चमोली। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से जिला योजना, राज्य सेक्टर, केन्द्र पोषित एवं बाहय सहायतित योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के तहत आवंटित बजट को शत प्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि जिला योजना के तहत संचालित निर्माण कार्यो को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। जो कार्य पूर्ण हो चुके है, उनका उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराते हुए शीघ्र भुगतान किया जाए। किसी कारण से यदि कोई विभाग जिला योजना में आवंटित धनराशि व्यय नही कर पा रहे है, तो तत्काल इसकी सूचना उपलब्ध करें। ताकि शेष धनराशि को अन्य आवश्यक योजनाओं के लिए आवंटित किया जा सके। लोनिवि, जल निगम एवं वन विभाग के अंतर्गत वित्तीय प्रगति कम मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों को संचालित कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान राज्य सेक्टर, केन्द्र पोषित एवं बीस सूत्री कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए संचालित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी विनय जोशी ने बताया कि जिला योजना में अभी तक 64 प्रतिशत, राज्य सेक्टर में 60 प्रतिशत धनराशि विभागों द्वारा व्यय कर दी गई है। होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, सहकारिता सहित अधिकांश विभागों द्वारा जिला योजना में आवंटित बजट शत प्रतिशत व्यय कर लिया गया है। वीसी में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, सीएमओ डॉ राजीव शर्मा, डीएसटीओ विनय जोशी, जिला पर्यटन अधिकारी एसएस राणा सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

## ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ दिलायी

चमोली। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत दशोली के पलेठी, मेडठेली, देवाल के चोटिंग व उदयपुर, गैरसेंण के स्यूणी मल्ली,घाट के सुतोल, जोशीमठ के चाई, नारायणबगड के कोथरा व कोठुली तथा थराली के चेंपडों व चिडिंगा मल्ला में आईईसी वैन के माध्यम से केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गयी और पात्र लोगों का योजना में पंजीकरण किया गया। शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए।

## देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

रुडक़ी। पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बेगमपुल के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध शराब की बिक्री करने जा रहा है। संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास अवैध देसी शराब के बरामद हुई। चौकी प्रभारी लोकपाल सिंह परमार ने बताया कि शेर सिह निवासी ग्राम अकबरपुर को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

## ग्रामीणों का विधायक के खिलाफ प्रदर्शन

रुडक़ी। कथित वायरल वीडियो को लेकर जबरदस्तपुर जौरासी के लोगों ने विधायक के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका गया। गुरुवार को जबरदस्तपुर जौरासी में लोगों ने विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कहा कि कथित वायरल वीडियो हर किसी को शर्मसार करने वाला है।

## संक्षिप्त खबरें

### चोरी के अंतरराज्य गैंग का पर्दाफाश दो गिरफ्तार

रुडक़ी। परचून की दुकान से चोरी के मामले में पुलिस ने शातिर गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनसे चोरी का माल बरामद भी किया गया है। गैंग के दो फरार सदस्यों की तलाश के लिए पुलिस दबिश दे रही है। गैंग 2014 में भी शहर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को अमित कुमार निवासी शेरपुर ने तहरीर लेकर बताया था कि दस नवंबर को देररात सेंट्रो कार सवारों ने परचून की दुकान का ताला तोडक़र लाखों रुपये का सामान समेट लिया था। पुलिस ने केस दर्ज कर कार का नंबर ट्रेस किया तो वह रामपुर निवासी व्यक्ति के नाम पर मिला। पुलिस पूछताछ में मालिका ने बताया कि घटना के दिन उनकी कार घर के बाहर खड़ी थी। यह वारदात करने के लिए चोरों ने उनकी कार के फर्जी नंबर प्लेट का सहारा लिया था।

### आग में झुलसकर दो मवेशियों की मौत

रुडक़ी। डाडा जलालपुर निवासी एक व्यक्ति की पशुशाला में आग लगने से दो मवेशियों की मौत हो गई। लोगों ने कड़ी मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया। विधायक ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली। डाडा जलालपुर गांव निवासी इखलाख की पशुशाला में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। लपटें देखकर लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। कड़ी मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आकर दो पशुओं की मौत हो गई। जबकि एक पशु का उपचार किया जा रहा है। विधायक ममता राकेश ने गांव में जाकर घटना की जानकारी ली। साथ ही ग्रामीण को मदद का आश्वासन भी दिया। हल्का लेखपाल और ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने भी नुकसान की जानकारी ली।

### बिजली के खंभे से नीचे गिरे किसान की मौत

रुडक़ी। मानकपुर आदमपुर गांव में बिजली के पोल तार जोडने के लिए चढ़े किसान की नीचे गिरने से मौत हो गई। परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। मानकपुर आदमपुर में ऊर्जा निगम के लाइनमैन बिजली घर से शट डाउन लेकर खेतों में बिजली की लाइन पर काम कर रहे थे। उसी समय मानकपुर आदमपुर निवासी एक व्यक्ति भी दूसरी ओर अपने खेत पर खड़े बिजली के पोल पर तार जोडने चढ़ गया। पोल पर चढ़ते समय नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि वह करंट की चपेट में आ गया। आसपास खेत में काम कर रहे लोगों ने जब उसे पोल के नीचे पड़ा देखा तो बिजलीघर सूचना दी। ऊर्जा निगम के कर्मचारियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही परिजन उसे अस्पताल ले गए।

### ठंड से ठिठुर रहे जायरीन, अलाव की नहीं व्यवस्था

रुडक़ी। इन दिनों ठंड़ काफी बढ़ गई है। इसके चलते जियारत के लिए साबिर पाक आ रहे जायरीनों को ठिठुरना पड़ रहा है। नगर पंचायत की ओर से अभी तक अलाव आदि की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। पिछले कुछ दिनों से लगातार तापमान में गिरावट आ रही है। इससे लगातार ठंड बढ़ती जा रही है। नगर पंचायत कलियर की ओर से अभी तक क्षेत्र में कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। लोग अपने निजी खर्च से अलाव जलाकर जायरीनों, राहगीरों को सर्दी से राहत दिला रहे हैं। दिनभर मौसम साफ रहता है लेकिन शाम होते ही ठंडी हवाएं चलने लगती हैं। रात के समय कोहरा छाने से तापमान लुढक़ने के साथ ही ठंड बढने लगती हैं।

### दुष्कर्म पीड़िता ने कोर्ट परिसर में जहरीला पदार्थ गटका

रुडक़ी। दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती महिला ने नए कोर्ट परिसर में जहरीला पदार्थ गटक कर आत्महत्या का प्रयास किया। प्रेम प्रसंग के चलते महिला चार माह पहले गर्भवती हो गई थी। वह गर्भपात की अनुमति के लिए रामनगर कोर्ट आ रही थी। पुलिस ने लोगों की मदद से दुष्कर्म पीड़िता को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भगवानपुर थाने में 21 सितंबर को महिला ने प्रेमी तैय्यब, तोहिद, फजलू रहमान और सलमान के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद 11 नवंबर को पुलिस ने तैय्यब पुत्र फजलू रहमान निवासी रोलाहेड़ी नवादा थाना पिरान कलियर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

# लड़की ने एग्जाम में लिखी वो बात, टीचर के उड़ गए होश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट ,13 दिसंबर , परीक्षा को लेकर हर छात्र बड़ा नर्वस होता है। खासकर जो लोग पढ़ाई कर नहीं पाते उन्हें फेल होने का डर सताता है। ऐसे में पास होने की जुगाड़ में वह अपनी ऑनसर सीट में बड़ी मजेदार बातें लिख देते हैं। ऐसा ही मामला अक्सर हमें पढ़ने को मिलता है जो हंसाता भी है और सोचने को मज़बूर करता है क़ी स्टूडेंट्स की मानसिकता कैसी है। यहां हम आपको एक ऐसी ही लड़की की कॉपी का हाल बता रहे हैं जिसने बोर्ड इम्तेहान में उत्तर पुस्तिका में अजब गजब दलील लिखकर हंसाया है।

छात्रा ने आंसर शीट में लिखी मजेदार चीज

जीव विज्ञान की ऑनसर सीट की चेकिंग के दौरान एक उत्तर पुस्तिका में छात्रा ने पास होने की गुहार लगाते हुए बड़ी मजेदार बातें लिखी। उसकी लिखी बातें सुनकर सोशल मीडिया पर हर कोई लोटपोट हो गया। छात्रा ने अपने लड़की होने का फायदा उठाया और ऑनसर सीट में कुछ ऐसा लिखा जिसे पढ़कर आपको यकीन नहीं होगा। छात्रा ने आन्सर शीट में लिखा "सर जी हमको जीव विज्ञान से संबंधित कुछ नहीं आता। हमारा घर स्कूल से इतना दूर है कि हम रोज स्कूल भी नहीं जा पाते हैं। घर पर खाना बनाने में ही लेट हो जाता है। हम लड़कियों को तो आप जानते हैं कितना काम होता है।" लड़की की लिखी ये बातें अब सोशल मीडिया पर लोगों को बड़ा गुदगुदा रही है।

ऐसी बातें भी लिखते हैं छात्र

टीचर बताते हैं कि आंसर सीट में अक्सर ऐसे मैसेज मिलते रहते हैं। कुछ छात्र को ऑनसर सीट में पैसे तक रख देते हैं। वहीं कुछ घर की खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पास होने की गुहार लगाते हैं। कुछ तो आत्महत्या कर लेने की धमकी तक दे देते हैं। इसके अलावा कुछ छात्र टीचर को धमकी भी देते हैं। एक टीचर ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि एक छात्र ने अपनी उत्तर पुस्तिका में योगी और मोदी के नाम की धमकी दे दी थी। उसने लिखा "अगर मुझे फेल कर दिया तो मैं योगी जी और मोदी जी से आपकी शिकायत कर दूंगा। आपकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है।" वैसे ऑनसर सीट में ऐसे धमकी भरे संदेश भी अब आम हो गए हैं।

## संपादकीय

## 370 हटाना संवैधानिक

सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की संवैधानिकता पर मुहर लगा दी। संविधान पीठ ने इस संदर्भ में राष्ट्रपति के आदेश, मोदी सरकार के फैसले और संसद के दो-तिहाई बहुमत के निर्णय को वैध करार दिया है। अदालत ने स्थापित किया है कि अनुच्छेद 370 कभी भी संविधान का स्थायी प्रावधान नहीं था। वह अस्थायी व्यवस्था थी, क्योंकि उस समय युद्ध के हालात थे। जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन महाराजा हरि सिंह की उद्घोषणा और भारत में विलय के बाद जम्मू-कश्मीर की कोई संप्रभुता नहीं रही। अनुच्छेद 370 के तहत कोई आंतरिक संप्रभुता भी नहीं थी। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया था। यह संविधान के अनुच्छेद एक से भी स्पष्ट है। अनुच्छेद 370 ने कश्मीर को एक अलग संविधान, अलग ध्वज और आंतरिक प्रशासनिक स्वायत्तता रखने का अधिकार दिया था, जबकि यह राज्य 1952 से 31 अक्तूबर, 2019 तक एक राज्य के रूप में भारत और उसके संविधान द्वारा ही शासित था। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में संविधान पीठ ने एकमत से अनुच्छेद 370 पर ऐतिहासिक फैसला सुनाकर सभी 23 याचिकाओं, कुतर्कों, भ्रांतियों और संविधान सभा की गलत व्याख्याओं को खारिज कर दिया। हालांकि तीन अलग-अलग फैसलों में विचार भी भिन्न थे, लेकिन अनुच्छेद 370 पर पांचों न्यायाधीश एकमत थे। अब कश्मीर पर हर भारतीय का संवैधानिक हक है। 5 अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति के जिस आदेश पर संसद में बहस हुई और अंततः अनुच्छेद 370 के अस्तित्व को समाप्त किया गया, उसके परिप्रेक्ष्य में संविधान पीठ ने साफ कहा है कि राष्ट्रपति को राज्य की संविधान सभा की गैर-मौजूदगी में भी इसे रद्द करने का अधिकार था। संविधान सभा राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं थी। राष्ट्रपति ने किसी भी दुर्भावना के तहत अपनी शक्ति का उपयोग नहीं किया। संविधान पीठ राष्ट्रपति के निर्णय के खिलाफ किसी भी अपील की सुनवाई नहीं कर सकती। सारांश यह है कि अब जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे का कोई अस्तित्व नहीं है। वह भी देश के अन्य राज्यों की तरह, भारत के संविधान, संसद और सरकार द्वारा, शासित और संचालित है। केंद्र सरकार यथाशीघ्र कश्मीर का राज्यत्व बहाल करेगी। चुनाव आयोग 30 सितंबर, 2024 तक वहां चुनाव कराए। जम्मू-कश्मीर के हर नागरिक पर भारतीय कानून लागू होंगे। साथ ही, हर भारतीय को कश्मीर में वे सभी अधिकार मिलेंगे, जो शेष देश में मिलते रहे हैं। बेशक संवैधानिक तौर पर अनुच्छेद 370 का मामला अब इतिहास के पन्नों में समा गया है, लेकिन अब भी कुछ राजनीतिक दल और चेहरे इसे 'काला दिन', निराशाजनक अध्याय और गलत फैसला करार दे रहे हैं। उन्होंने अपनी लड़ाई जारी रखने के ऐलान भी किए हैं। आखिर किसके खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सकती है? संविधान पीठ का फैसला अंतिम संवैधानिक फैसला है। संसद अपने फैसले पर 2019 में ही मुहर लगा चुकी है। लोकतंत्र में और क्या विकल्प संभव हैं? यह 'सियासी कुंठा' के अलावा कुछ भी नहीं है। पुनर्विचार याचिकाओं का हश्र भी यही होना है। बहरहाल इस ऐतिहासिक फैसले के बाद टीवी चैनलों पर आम कश्मीरी थाली बजाते, नाचते-गाते, मिष्ठान्न खिलाते जश्न के मूड में दिखाई दिए। 'ऐतिहासिक लाल चौक' का बाजार भी पूरी तरह खुला है। तथ्य संसद में पेश किए गए हैं कि कश्मीर में 200 से ज्यादा विदेशी निवेशकों को जमीनें दी गई हैं। अर्थव्यवस्था चार गुनी हो गई है। गरीबों के लिए 5 साल में 1.45 लाख घर बन चुके हैं। नई विधानसभा में कुछ आरक्षण तय हुआ है।

**दैनिक न्यूज़ वायरस**

**संपादक :** मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
**Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
**Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
**न्याय क्षेत्राधिकार :** जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

## पुण्यतिथि पर नित्यानंद स्वामी को किया याद

देहरादून। उत्तराखंड प्रथम सीएम नित्यानंद स्वामी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में मौजूद लोगों ने नित्यानंद स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। सभा का आयोजन पूर्व सीएम स्व. नित्यानंद स्वामी के भतीजे एवं शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) उत्तराखंड एडवोकेट आखिल शर्मा ने झाझरा स्थित शिवसेना शिविर कार्यालय में किया। इस दौरान राज्य निर्माण के समय स्व. नित्यानंद स्वामी की ओर से किए गए प्रयासों के बारे में बताया गया। इस मौके पर शिवसेना शाखा प्रमुख हरबर्टपुर मनीष शर्मा, शाखा प्रमुख सेलाकुई कल्पेश्वर पैन्यूली, शाखा प्रमुख विकासनगर जयप्रकाश चौहान, शाखा प्रमुख सबावाला भरत कुमार मौजूद रहे।

## धार्मिक स्थल पर सिरफिरे की हरकत से आक्रोश

देहरादून। धार्मिक स्थल पर सोमवार रात सिरफिरे की हरकत से मंगलवार सुबह हर्रावाला क्षेत्र के लोगों में आक्रोश बढ़ गया। आरोपी की हरकत सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। मौके पर जमा हुई भीड़ ने आक्रोश जताया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि हर्रावाला में रेलवे तिराहे के पास काली मंदिर है। यहां मंगलवार सुबह लोग पहुंचे तो उन्होंने मंदिर परिसर का एक शीशा टूटा देखा। सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए तो पाया कि सोमवार रात करीब सवा बजे एक युवक वहां आया। उसने मंदिर परिसर में गलत हरकत की। इसके बाद शीशे पर पत्थर फेंका। इसे बाद वहां से भाग निकला। इसकी जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ वहां पहुंच गई। लोगों ने आक्रोश जताया तो पुलिस ने स्थिति संभाली। हर्रावाला के जनप्रतिनिधि विनोद कुमार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि माहौल बिगाडने के आरोपी को किसी भी स्थिति बख्शा नहीं जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### प्रशिक्षण में मौन पालन के बारे में बताया

देहरादून। यूसर्क की ओर से उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मौन पालन पर साप्ताहिक प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान एवं खादी ग्रामोद्योग विभाग के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण में मौन पालन की जानकारी दी गई। इस मौके पर यूसर्क की निदेशक प्रो. (डा.) अनीता रावत और खादी ग्रामोद्योग विभाग के निदेशक डॉ. संजीव रॉय ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. गौरव शर्मा, दीपक घिल्डियाल, डॉ. मंजू सुन्दरियाल, डॉ. ओम प्रकाश नौटियाल आदि मौजूद रहे।

### दून में कांग्रेसियों ने डीएसओ कार्यालय घेरा

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को देहरादून में जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस भवन के एकत्रित हुए पार्टी कार्यकर्ता जुलूस निकालते हुए डीएसओ कार्यालय पहुंचे। यहां कार्यालय के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और धरना भी दिया।महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। कहा कि कांग्रेस के शासन काल में एपीएल उपभोक्ताओं को 10-10 किलो गेहूं-चावल दिया जाता था, जिसे भाजपा ने सत्ता में आते ही पहले तो बंद कर दिया और अब एक कार्ड पर सिर्फ साढ़े सात किलो चावल दिया जा रहा है। जो एक परिवार की भोजन जरूरतों के लिए पर्याप्त नहीं है। सरकारी राशन में चीनी तक बंद कर दी गई। किफायती दरों पर मिलने वाली दूसरी खाद्य सामग्री भी नहीं दी जा रही हैं। रिफाइंड, सरसों तेल, दालें, मसाले और अन्य खाद्य वस्तुएं जिनके दामों में उछाल आया है, उन्हें भी सरकारी राशन की दुकानों पर दिया जाना चाहिए। कांग्रेस ने राशन डीलरों का कमिशन महीनों बाद भी नहीं दिए जाने को लेकर भी कड़ा एतराज जताया। कहा कि भुगतान में देरी भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है और आरोप लगाया कि कमिशन के एवज में राशन डीलरों से ही कमिशन लिया जा रहा है। कांग्रेस ने राज्य में उत्पादित पौष्टिक मोटे अनाज जैसे कोदा, झंगोरा का वितरण भी सरकारी राशन की दुकानों से करने की मांग की है। प्रदर्शन में प्रदेश महासचिव नवीन जोशी, मनीष नागपाल, प्रदेश प्रवक्ता आशीष नौटियाल, पार्षद रमेश कुमार मंगू, सचिन थापा, इतात खान, मुनिक अहमद, राजेश पुंडीर मोहम्मद फारूख, चुन्नीलाल ढिंगरा, देवेन्द्र सिंह, विरेन्द्र पंवार, शकील मंसूरी, आफताब अहमद, शहजाद अंसारी, वक्कार अहमद, उदय सिंह, मुकेश रेगमी, दलबीर, रिपुदमन सिंह, पूनम कंडारी, अर्जुन पासी, सुमित देवरानी, अमनदीप सिंह, आदर्श सूद, सावित्री थापा, मंजू चौहान, सुनिता गुप्ता, हेमन्त उप्रेती, सुभाष धीमान, अवधेश कटारिया, राजेश उनियाल, अशोक कुमार, जगदीश शर्मा, पूरण आर्य समेत अन्य मौजूद रहे।

### सीपीएम ने ग्लोबल इंवेस्टर समिट पर उठाए सवाल

देहरादून। माक्र्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने ग्लोबल इंवेस्टर समिट पर सवाल उठाए हैं। कहा कि राज्य के चहुमुखी विकास का जो दावा किया जा रहा है, वह वास्तविकता से परे है, समिट के फैसलों से राज्य के संसाधनों पर कारपोरेट का? कब्जा होगा। मंगलवार को हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समिट के बहाने डबल इंजन की सरकार राज्य में रोजगार की संभावनाओं पर चार चांद लगाने का दावा कर रही है। जबकि हकीकत ?है कि उत्तराखंड सैनिकों की भूमि है, सरकार की ओर से सेना में अग्निवीर योजना ने सर्वाधिक नुकसान उत्तराखण्ड के सैनिक परिवारों को पंहुचाया है। रक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित आयुध निर्माणी फैक्ट्रियों को नीजि हाथों में बेचकर यहां सैकड़ों परिवारों का रोजगार छीना गया। श्रम कानूनों को कमजोर कर फैक्टरियों में मजदूरों से ?कम वेतन में ज्यादा काम के लिए जाने के लिए विवश किया जा रहा है। इस मौके पर पार्टी राज्य सचिव राजेंद्र नेगी, इंदू नौडियाल, गंगाधर? नौटियाल, शिव प्रसाद देवली, कमरूद्दीन, अनन्त ?आकाश, लेखराज, माला गुरूंग, नितिन मलेठा, हिमांशु चौहान, सुरेंद्र रावत, दिनेश नौटियाल, कमलेश? खंतवाल, सुरेंद्र सजवाण आदि मौजूद रहे।

### ग्रामीण डाक सेवकों ने शुरू की हड़ताल

देहरादून। आठ घंटे काम, पेंशन समेत विभिन्न मांगों के निराकरण को लेकर ग्रामीण डाक सेवकों ने बेमियादी हड़ताल शुरू कर दी है। डाक सेवकों ने मांगें पूरी होने तक हड़ताल पर डटे रहने का ऐलान किया है। मंगलवार को ग्रामीण डाक सेवक देहरादून के घंटाघर स्थित परिमंडलीय कार्यालय परिसर में एकत्र हुए। यहां धरना देकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण डाक सेवक लंबे समय से अपनी न्यायौचित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिस कारण डाक सेवकों को मजबूरन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा है। चेताया कि जब तक आठ घंटे काम, पेंशन का लाभ, समूह बीमा कवरेज पांच लाख रुपये तक बढ़ाने, जीडीएस ग्रेच्युटी में बढ़ोत्तरी समेत सात सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं होता है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। धरने पर मंडीलय सचिव सुभाष पंवार, अध्यक्ष राजकुमार मधवाल, प्रेम सिंह रावत, वंदना गुरुंग, हेमलता, गोविंद सिंह, नवीन शर्मा, धर्म सिंह, राजीव कुमार, अर्चना थापा, राजेंद्र प्रसाद डबराल, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

### शिविर में 32 लोगों ने लगवाए कृत्रिम अंग

रुडक़ी। रोटरी क्लब की ओर से आयोजित कृत्रिम अंग शिविर में चौथे दिन जरूरतमंद लोगों को व्हील चेयर बांटी गई। इसके साथ ही करीब 32 लोगों को कृत्रिम अंग लगाए गए। विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा कि यह अच्छी पहल है। रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक गवर्नर अरुण मोंगिया ने कहा कि क्लब ने करीब 150 लोगों के जीवन में नई रोशनी लाने का कार्य किया है। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष अशोक अरोड़ा, सचिन गुप्ता, सुभाष सरीन, विरेंद्र जैन, वाईपी सिंह, प्रो. राजेश चंद्रा, प्रेम सरीन, वन्दना मोहन, संजीव सैनी, ऋतु कंडियाल, सलमान, सूरज आदि मौजूद रहे।

### स्वयं सहायता समूह के संचालन के विवाद में गई जान

रुडक़ी। गंगदासपुर के स्वयं सहायता समूह के संचालन को लेकर महिला सदस्यों के बीच करीब तीन महीने से विवाद चल रहा था। अभी तक सुमन इसकी संचालक थीं। जबकि दूसरी महिलाएं उसे हटाना चाहती थीं। इसे लेकर मंगलवार को हुई मारपीट में सुमन की मौत हो गई। आरोपी महिलाओं का भी अब जेल जाना तय है।

### चोरी के अंतरराज्य गैंग का पर्दाफाश दो गिरफ्तार

रुडक़ी। परचून की दुकान से चोरी के मामले में पुलिस ने शातिर गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनसे चोरी का माल बरामद भी किया गया है। गैंग के दो फरार सदस्यों की तलाश के लिए पुलिस दबिश दे रही है। गैंग 2014 में भी शहर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को अमित कुमार निवासी शेरपुर ने तहरीर लेकर बताया था कि दस नवंबर को देररात सेंट्रो कार सवारों ने परचून की दुकान का ताला तोडक़र लाखों रुपये का सामान समेट लिया था। पुलिस ने केस दर्ज कर कार का नंबर ट्रेस किया तो वह रामपुर निवासी व्यक्ति के नाम पर मिला। पुलिस पूछताछ में मालिका ने बताया कि घटना के दिन उनकी कार घर के बाहर खड़ी थी।

# मुख्यमंत्री ने किया स्वर्णिम अमृत संदेश यात्रा का शुभारम्भ

## स्वर्णिम अमृत संदेश यात्रा से लोगों में पर्यावरण के प्रति जीवन शैली में बदलाव लाने की मिलेगी प्रेरणा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैम्प कार्यालय में हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल तथा कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष पर आयोजित 'स्वर्णिम अमृत संदेश रथ यात्रा' का शुभारम्भ स्मृति पौध भेंट कर किया। इस अवसर पर यूकॉस्ट द्वारा आयोजित 'अभिनन्दन एवं पौध भेट समारोह' में विश्वविद्यालयों को शुभकामना देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी आयोजन को यादगार बनाने में पेड़ों की बडी भूमिका होती है। पेड़ जहां जीवन के आधार है वहीं हमारी संस्कृति और स्मृति के भी प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय अपने स्वर्ण जयंती वर्ष को इको फ्रेंडली रुप से मना रहे हैं तथा दूसरे को पचास-पचास पेड़ भेंट कर एक विश्वविधालय के सदस्य दूसरे विश्व विद्यालय में पहुंचकर पचास पौधों का रोपण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हमारे युवा बौद्धिक रूप से जागृत और समझदार होते हैं। जन-जन तक संदेश पहुंचाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जलवायु परिवर्तन से उपजी समस्याओं के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे विश्व की जीवन शैली में परिवर्तन लाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस संदेश यात्रा से लोगों में पर्यावरण के प्रति जीवन शैली में बदलाव लाने की प्रेरणा भी मिलेगी। यह यात्रा लोगों में अपनी संस्कृति, स्वच्छ परम्परा, खान पान, बोली-भाषा के प्रति भी जागरुकता पैदा करेगी।

यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पन्त ने कहा कि इस आयोजन के तहत मुख्यमंत्री का संदेश दोनों विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं तक पहुंचेगा। इस यात्रा को बहुआयामी तथा उद्देश्यपरक बनाने हेतु यूकॉस्ट द्वारा दोनों विश्वविद्यालयों में विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया जा रहा है। लाइफ स्टाइल फॉर इन्वायरमेंट तथा जलवायु परिवर्तन पर विशेषज्ञों के व्याख्यान भी कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि श्रीनगर गढ़वाल से जो दल नैनीताल रवाना होगा वह अपने साथ गंगा जल भी ले जायेगा जिसे नैनीताल में मां नैना देवी के दर्शन के बाद नैनीझील में प्रवाहित किया जायेगा। दोनों विश्वविद्यालय अपने कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन की पुस्तकें भी एक दूसरे को भेंट करेंगें।

'स्वर्णिम अमृत संदेश रथ यात्रा' को आकार देने वाले मैती संस्था के संस्थापक पद्म डॉ. कल्याण सिंह रावत ने कहा कि बदलते जलवायु के संकेतों से अब हमें, जागरूक होने की जरुरत है। यदि अभी भी हम नहीं जागे तो बहुत देर हो जायेगी। हमें अपने आवश्यकताओं को न्यून करके जीवन शैली में बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि 1998 में दोनों विश्वविद्यालयों के बीच में 25-25 पेड़ सिल्वर जुबली पर मैती संस्था ने ऐसी ही रथ यात्राएं आयोजित की थी। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत 18 दिसम्बर को हे.न.ग. विश्वविधालय से 50 पेड़ लेकर संदेश यात्रा दल नैनीताल प्रस्थान करेगा। 19 दिसम्बर को नैनीताल में वृक्षारोपण व विचार गोष्ठी आयोजित होगी। 20 दिसम्बर को नैनीताल से 50 पेड़ श्रीनगर गढ़वाल पहुंचेंगे।

कार्यक्रम में गढ़वाल एवं कुमाऊं विश्वविद्यालय तथा सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# इस पेड़ को 24 घंटे पुलिस सुरक्षा, मेडिकल टेस्ट जानिए क्यों ?

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 दिसंबर , आपने आज तक कई बार वीवीआईपी ट्रीटमेंट के बारे में सुना होगा. वीवीआईपी ट्रीटमेंट इंसानों के लिए होता है. अब आप कहेंगे इसमें कोई दो राय नहीं है. वीवीआईपी ट्रीटमेंट इंसानों की लिए ही होता है. राजनेता, फ़िल्मी सितारों और क्रिकेटर्स आदि को वीवीआईपी ट्रीटमेंट मिलता है. हालांकि आज हम आपको बताएंगे कि मध्यप्रदेश के रायसेन में एक पेड़ को भी वीवीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाता है.

आप सोच रहे होंगे कि भला क्यों किसी पेड़ को वीवीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाएगा. बिलकुल आप यह सोच सकते है. यह सोचने वाला मामला भी है. लेकिन इसके पीछे की वजह बेहद ख़ास और बड़ी है. आइए विस्तार से उस पेड़ के बारे में

जानते है और साथ ही जानेंगे कि किस पेड़ के साथ ऐसा किया जाता है.किसी वीवीआईपी की सुरक्षा पर लाखों रुपये खर्च होते है. सेलेब्स, क्रिकेटर, राजनेता और बिजनेसमैन की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी और गार्ड्स पहरा देते है. जबकि इस तरह की सुविधा एक पेड़ को भी मिलती है. हम जिस पेड़ की बात कर रहे है वो मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में बोधिवृक्ष है. इस पेड़ की निगरानी सीसीटीवी कैमरे से भी की जाती है.

बोधिवृक्ष श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने 21 सितंबर, 2012 को लगाया था. बता दें कि बौद्ध धर्म में बोधिवृक्ष बहुत पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है. इस वजह से इस वृक्ष की देखभाल किसी वीवीआईपी की तरह की जाती है. इस पेड़ को देखने के लिए बाहर से भी लोग आते रहते हैं. 10 साल से ज्यादा समय से यह पेड़ ख़ास तर की देखभाल से गुजर रहा है. 24 घंटे यह वृक्ष पुलिस के पहरे में रहता है. इसकी निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए है. इसकी देखभाल का जिम्मा सांची नगरपालिका, पुलिस, रेवेन्यू और हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट पर है.

बोधिवृक्ष 100 एकड़ की पहाड़ी पर लगा हुआ है. जानकारी के मुताबिक उनकी सुरक्षा में चार-चार सिपाही तैनात रहते है. यह पेड़ 15 फीट की फेंस से घिरा हुआ है. आपको जानकारी के लिए बता दें कि किसी मरीज की तरह इस पेड़ का हर 15 दिन में मेडिकल टेस्ट किया जाता है. फिर उसके आधार पर पेड़ को खाद-पानी दिया जाता है.जब तत्कालीन श्रीलंकाई रष्ट्रपति ने साल 2012 में यह पेड़ लगाया था तब उनके साथ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे. गौरतलब है कि इस पेड़ पर राज्य की शिवराज सरकार हर साल 12 से 15 लाख रुपये खर्च करती है.

# रोडवेस बसों में सफर अब होगा और आसान, 10 रूटों पर चलेंगी अतिरिक्त बसें

देहरादून। रोडवेज बसों में सफर करने वाले लोगों के लिए गुड न्यूज है। आने वाले समय में इन शहरों के बीच उनकों बसों के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। भीड़ होने पर अब बस यात्रियों को आसानी से सीट मिल जाएगी।रोडवेज निजी ऑपरेटरों के जरिये उत्तराखंड के 10 रूटों पर 72 नई बसें शुरू करेगा। इससे लोगों को राहत मिलेगी। रोडवेज की ओर से इंटरसिटी बस संचालन योजना 2023-24 के तहत टेंडर मांगे गए हैं। जीएम-संचालन दीपक जैन के मुताबिक, छोटी दूरी वाले लोकल रूटों पर यह सेवाएं चलेंगी। डीजल और सीएनजी बसों को अनुबंध पर संचालित किया जाएगा। इसके लिए 30 दिसंबर तक निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। सीएनजी की बसों को वरीयता इस योजना में 32 सीटर बसें चलाई जाएंगी। सीएनजी बसों को वरीयता दी जाएगी। सुरक्षा के इंतजाम करने होंगे। सामान्य आवेदकों को 50 हजार सिक्योरिटी एवं वीरचंद्र सिंह गढ़वाली स्वरोजगार योजना के लाभार्थी को 25 हजार सिक्योरिटी देनी होनी। रोडवेज को आवंटन के 90 दिन बाद बस स्वामी को बस उपलब्ध करानी होगी। अन्यथा 500 रुपये हर रोज के हिसाब से जुर्माना लगेगा।

**दून जाने वाली बसों में यात्रियों के बीच मारामारी-**

ऋषिकेश से दून जाने के लिए सोमवार को रोडवेज की बसों में मारामारी दिखी। यात्रियों को पर्याप्त बसें नहीं मिलने परेशानी उठानी पड़ी। सुबह से शाम तक बस अड्डे पर वे परेशान दिखे। बस अड्डे पर देहरादून जाने के लिए जो भी बस रुकती वह यात्रियों से भर जाती। संयुक्त यात्रा बस अड्डे पर दून-ऋषिकेश के लिए सोमवार को अचानक बसों की कमी हो गई।

**बस संचालन में मनमानी पर रोडवेज की सख्ती-**

चंडीगढ़ रूट पर बसों के संचालन में चालक-परिचालकों की मनमानी पर रोडवेज ने सख्त रुख अपनाया है। जीएम-संचालन दीपक जैन ने एआरएम अल्मोड़ा एवं आरएम-नैनीताल मंडल को निर्देशित किया है कि वे स्वयं चंडीगढ़ जाकर अफसरों से समन्वय बनाकर व्यवस्थाएं दुरुस्त कराएं।

साथ ही, इसकी समीक्षा रिपोर्ट मुख्यालय को दी जाए। दून समेत तीन आरएम और ऋषिकेश एवं हरिद्वार समेत 13 एआरएम को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कहा गया है कि चंडीगढ़ स्थित आईएसबीटी पर उत्तराखंड रोडवेज की कुछ बसें, खासकर नैनीताल और टनकपुर की बसें निर्धारित काउंटर पर नहीं लगाई जातीं।

**यहां दी जाएगी सुविधा**

रूट बसें
देहरादून-ऋषिकेश 15
देहरादून-रुड़की 10
देहरादून-हरिद्वार 10
दून-हरिद्वार-लक्सर 05
हल्द्वानी-सिडकुल-रुद्रपुर 05
काशीपुर-टनकपुर 05
हल्द्वानी-टनकपुर 05
हरिद्वार-सहारनपुर 05
हरिद्वार-पांवटा 02
देहरादून-सहारनपुर 10

# शिक्षण संस्थानों में पर्यावरण का ज्ञान जरूरी हो : रावत

देहरादून। यूसर्क एवं दून पीजी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेलाकुई की ओर से मृदा परीक्षण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने कॉलेज की प्रयोगशालाओं में भ्रमण के साथ साथ संस्थान में चल रहे मशरूम कल्टीवेशन, पोल्ट्री फॉर्म, मौन पालन, मत्स्य पालन, जैवउर्वरक उत्पादन, बायो गैस प्लांट, संरक्षित औद्यानिकी के बारे में भी जाना। यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण बहुत जरूरी हो गया है, जिसके ज्ञान को आज हमारे शिक्षण संस्थानों में प्रभावी रूप से प्रदान करने की जरूरत है। संस्थान के निदेशक डॉ संजय चौधरी ने कहा कि संस्थान की ओर से कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उत्तराखंड राज्य में एक अग्रणी संस्थान के रूप में कार्य किया जा रहा है। कहा कि यूसर्क और दून पीजी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा नवीन तकनीकीयों को विद्यार्थियों को सिखाया जा रहा है। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) आरआर द्विवेदी ने कहा कि आज हमको अपने पर्यावरण के संरक्षण कार्यों के साथ साथ सामजिक जीवन में भी कार्य करते हुए देश की सेवा करनी है। कॉलेज के एडमिनिस्ट्रेशन कार्डिनेटर डॉ सतीश कुमार ने कहा कि संस्थान पर्यावरण शिक्षा की दिशा में विद्यार्थियों को निरंतर विभिन्न विधाओं की ओर से दिशा एवं ज्ञान प्रदान कर रहा है। कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर (डॉ) आरके मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण विषय पर प्रशिक्षित युवा अपने कौशल विकास के साथ अपने करियर को अच्छा बना सकते हैं। कॉलेज के कृषि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) रूप किशोर शर्मा ने कहा कि आज विज्ञान और तकनीकी विकास तेजी से हो रहे हैं, इसलिए आज यह जरूरी हो गया है कि कौशल विकास के नए नए आयामों को पहचाया जाए।